

ORDINANCE No. 158

M.Sc. (Medical Biotechnology)

1. The degree of Master of Science in Medical Biotechnology shall be of two academic years.
2. The course shall be run by the S.O.S. in Biotechnology of the University or by Pt. J.N.M. Medical College, Raipur.
3. The eligibility for admission shall for a candidate who has passed B.Sc. examination with two of the subjects from among, Botany, Zoology, Microbiology, Industrial Microbiology, Biotechnology or any relevant discipline of Biological Sciences and Chemistry as one of the subject or M.B.B.S. of this University or an examination of any statutory University which has been recognized by the University as equivalent to.
4. The structure of the course along with the scheme of the examination shall be prescribed by the Board of Studies in Biotechnology under the Faculty of Life Sciences. The Board of Studies will consider the syllabus for this course as proposed by DBT (Department of Biotechnology) under the Ministry of Science and Technology, Government of India or U.G.C. or any statutory body.
5. The examination for the degree of Master of Science in Medical Biotechnology shall comprise of two parts :
 - a. The Previous Examination and
 - b. The Final Examination.
6. For both the previous and final examinations, a candidate shall be declared successful if he/ she obtains at least 40% marks in theory, practical, internal assessments, project report separately.
7. A candidate shall be declared pass only if he/ she secures 50% marks in aggregate.
8. No division shall be awarded on the result M.Sc. Medical Biotechnology previous examination.

9. Successful candidates who obtains 60% or more marks shall be placed in First Division and those obtaining below 60% marks shall be declared pass with second division.
10. Other provisions regarding admission, attendance examination etc. shall be as per the relevant ordinances of the University.

ORDINANCE No. 163

DIPLOMA IN RURAL CRAFT AND INDUSTRIES

1. The duration of Course OF Diploma in Rural Craft and Industries shall be of one academic year.
2. A candidate who after passing Higher Secondary (10+ 2) examination of Chhattisgarh Board of Secondary Education or any other examination recognized by the Chhattisgarh Board of Secondary Education as equivalent thereto has attended a regular course of study in the university teaching department or school of studies of the University for one academic year shall be eligible for appearing at the examination of Diploma in Rural Craft and Industries.
3. No. of seats and procedure of admission shall be decided by the university. Reservation of seats shall be as per provisions prescribed by Government of Chhattisgarh.
4. The course structure along with the scheme of the examination shall be prescribed by the Board of Studies in Rural Technology.
5. Minimum passing marks for each paper shall be 33% and 40% in aggregate to pass the examination.

URGENT
URGENT

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग



विश्वविद्यालय समन्वय समिति की 25वीं
बैठक के पूर्व
स्थायी समिति की बैठक
का कार्यवाही विवरण

बैठक दिनांक 26 दिसम्बर, 2014
प्रातः 11:30 बजे

स्थान - कक्ष क्रमांक S-2/12 महानदी भवन मंत्रालय, नया रायपुर (छ.ग.)

POST GRADUATE DIPLOMA IN FOREST MANAGEMENT

1. The duration of Course of Post Graduate Diploma in Forest Management shall be of one academic year. It shall be run by University Teaching Department or School of Studies of the University.

2. A candidate who has obtained a Bachelor's Degree in any discipline from the university or any other examinations recognized equivalent thereto by the university with 40% marks (SC, ST & OBC candidate shall be entitled for the relaxation as per the prescribed norms), shall be eligible for the admission to this P.G. Diploma programme.

3. No. of seats and procedure of admission shall be decided by the university. Reservation of seats shall be as per provisions prescribed by Government of Chhattisgarh.

4. The course structure along with the scheme of the examination shall be prescribed by the Board of Studies in Forestry.

5. Minimum passing marks for each paper shall be 33% and 40% in aggregate to pass the examination.

6. Successful candidates shall be awarded divisions as follows:

First Division - 60% or more marks

Second Division - 48% or more but less than 60% marks

Third Division - 40% or more but less than 48% marks.

7. An examinee who fails in any of theory paper (s) or in project report or in practical examination may appear in that paper (s) /project report/practical in forthcoming two annual examinations

on payment of fee prescribed by the University as an ex-student without being required to attend further classes of regular study.

Provided that a candidate who has passed in project report and practical examination shall not be required to submit project report or appear in practical examination again while appearing as an ex-student. The marks obtained in first examination shall be carried forward.

8. There shall be no provision to study this Diploma course as non-collegiate candidate.

9. There shall be revaluation only in theory papers.

10. Other provisions regarding admission, attendance, examination, etc. not covered in this ordinance shall be governed by the general ordinances of the university.

एक वर्षीय पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा चुका है, अतः एक वर्ष के लिए अनुमति दिये जाने हेतु प्रस्ताव को समन्वय समिति के समक्ष अनुमोदनार्थ रखने की अनुशंसा की गई। पाठ्यक्रम को निरन्तर रखने के लिए पुनर्विचार किया जाएगा।

प्रस्ताव क्र.-12.

Doctor of Philoshphy की उपाधि हेतु प० रविशंकर शुक्ल वि.वि. के अध्यादेश क्रमांक-45 Doctor of Philoshphy को अंगीकृत किये जाने बाबत।

कुलपति, सरगुजा विश्वविद्यालय के द्वारा बैठक में अवगत कराया गया कि प० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा समन्वय समिति में अनुमोदित अध्यादेश क्रमांक-45 Doctor of Philoshphy को अंगीकृत करना चाहते हैं एवं पुराने नियमों के अनुसार बनाये गये अध्यादेश को प्रतिस्थापित करना चाहते हैं।

स्थायी समिति
का अभिमत:-

प्रस्ताव पर विचार किया गया। सरगुजा वि.वि. एक नया विश्वविद्यालय है एवं अधिनियम 1973 के अनुरूप ही बनाया गया है। अतः प्रस्ताव को अनुमोदित करते हुए समन्वय समिति के समक्ष अनुमोदनार्थ रखे जाने की अनुशंसा की गयी। समन्वय समिति की बैठक के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा कार्य परिषद में अनुमोदन प्राप्त किया जावे।

बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर का प्रस्ताव :-

प्रस्ताव क्र.-13.

प० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के अध्यादेश क्रमांक 45- Doctor of philosophy को अंगीकृत किये जाने बाबत।

कुलपति बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर के द्वारा बैठक में अवगत कराया गया कि प० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा समन्वय समिति में अनुमोदित अध्यादेश क्रमांक-45 को अंगीकृत करना चाहते हैं।

स्थायी समिति
का अभिमत:-

प्रस्ताव पर विचार किया गया। बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर नया विश्वविद्यालय है एवं अधिनियम 1973 के अनुरूप बनाया गया है। अतः प्रस्ताव को अनुमोदित करते हुए समन्वय समिति के समक्ष अनुमोदनार्थ रखे जाने की अनुशंसा की गई। समन्वय समिति की बैठक के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा कार्य परिषद में अनुमोदन प्राप्त किया जावे।

प्रस्ताव क्र.-14.

Draft of Ordinance No. 163- Certificate and Dipolma in NGOs Management का अनुमोदन।

बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर के द्वारा स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रबंधन हेतु 06 माह का प्रमाण पत्र एवं एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संकल्पित किये जाने हेतु

प्राख्य अध्यादेश क्रमांक-163 प्रस्तुत किया गया है, जिसे उक्त कार्यपरिषद में दिनांक 08.07.2014 को अनुमोदित की गई है।

स्थायी समिति
का अभिमत:-

प्रस्ताव पर विचार किया गया। सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम को समन्वय समिति में रखे जाने की आवश्यकता नहीं है। डिप्लोमा पाठ्यक्रम को समन्वय समिति के समक्ष अनुमोदनार्थ रखने की अनुशंसा की गई।

प्रस्ताव क्र.-15.

Draft of Ordinance No. 163- Certificate and Diploma in Dhokra and Tribal Art का अनुमोदन।

बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर के द्वारा छ: माह का प्रमाण, पत्र तथा एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम डोकरा तथा आदिवासी कलाओं में स्थानीय विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु उक्त पाठ्यक्रम को संचालित किये जाने का निर्णय उक्त कार्य-परिषद की बैठक दिनांक 09.08.2014 में ली गई तथा इस हेतु प्राख्य अध्यादेश क्रमांक-163 प्रस्तुत की गई है।

स्थायी समिति
का अभिमत:-

स्थायी समिति द्वारा मत व्यक्त किया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित उपरोक्त अध्यादेश का क्रमांक तथा प्रस्ताव क्रमांक-14 का अध्यादेश का क्रमांक एक नहीं हो सकता है। सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम को समन्वय समिति में रखे जाने की आवश्यकता नहीं है। डिप्लोमा पाठ्यक्रम को समन्वय समिति के समक्ष अनुमोदनार्थ रखने की अनुशंसा की गई। कुलपति द्वारा पाठ्यक्रम संचालन के संबंध में समन्वय समिति के समक्ष विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जावेगा।

पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर के प्रस्ताव:-

प्रस्ताव क्र.-16.

विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर स्तर पर गुणवत्ता कायम करने के लिए परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक विश्वविद्यालयों में समान हो एव उसका परिपालन सुनिश्चित करना।

विश्वविद्यालय समन्वय समिति की 24वीं बैठक दिनांक 12.08.2014 के प्रस्ताव क्रमांक-11 में लिये गये निर्णय के परिपालन में दिनांक 07.11.2014 को गठित कुलपतियों की समिति के द्वारा अपनी रिपोर्ट स्थायी समिति की बैठक में प्रस्तुत की गई। समिति के रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर स्तर पर गुणवत्ता कायम करने के लिए सभी विश्वविद्यालयों में परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 36 एक समान हो। न्यूनतम अंक 36 सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दोनों विषयों में (व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर) होना चाहिए। यह निर्णय अगले शैक्षणिक सत्र 2015-16 से सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रथम सेमेस्टर/स्नातकोत्तर पूर्व की परीक्षा से लागू होगा।

स्थायी समिति
का अभिमत:-

प्रस्ताव पर विचार किया गया। सभी विश्वविद्यालयों में परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 36 एक समान होना चाहिये। अतः प्रस्ताव को अनुमोदित करते हुए समन्वय समिति के समक्ष अनुमोदनार्थ रखे जाने की अनुशंसा की गई।

POST GRADUATE DIPLOMA IN TRIBAL CUSTOM AND ART

1. The duration of the course of Post Graduate Diploma in Tribal Custom and Art shall be of one academic year. It shall be run by University Teaching Department or School of Studies of the University.

2. A candidate who has obtained a Bachelor's Degree in any discipline from the university or any other examinations recognized equivalent thereto by the university with 40% marks (SC, ST & OBC candidate shall be entitled for the relaxation as per the prescribed norms), shall be eligible for the admission to this P.G. Diploma programme.

3. No. of seats and procedure of admission shall be decided by the university.

4. Reservation of seats shall be as per provisions prescribed by Government of Chhattisgarh.

5. The course structure along with the scheme of the examination shall be prescribed by the Board of Studies in Anthropology.

6. Minimum passing marks for each paper shall be 33% and 40% in aggregate to pass the examination.

6. Successful candidates shall be awarded divisions as follows:

First Division - 60% or more marks.

Second Division - 48% or more but less than 60% marks.

Third Division - 40% or more but less than 48% marks.

7. An examinee who fails in any of theory paper (s) or in project report or in practical examination may appear in that paper (s) /project report/practical in forthcoming two annual examinations on payment of fee prescribed by the University as an ex-student without being required to attend further classes of regular study.

Provided that a candidate who has passed in project report and practical examination shall not be required to submit project report or appear in practical examination again while appearing as an ex-student. The marks obtained in first examination shall be carried forward.

8. There shall be no provision to study this Diploma course as non-collegiate candidate.

9. There shall be revaluation only in theory papers.

10. Other provisions regarding admission, attendance, examination, etc. not covered in this ordinance shall be governed by the general ordinances of the university.

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

ORDINANCE No. 170

Ordinance for Semester System in School of Studies

1. The Master of Arts/Science courses shall be spread over four semesters. In each semester, there shall be theory courses and where required practical courses (Laboratory work, semester field work, project work etc.). Written and Practical Examinations shall be completed by the end of the each Semester. There shall be numerical marking in evaluation.

2. (1) A Candidate who has obtained a Bachelor's degree of this University or of a statutory University recognized by this University as equivalent to the Bachelor's Degree shall be eligible to seek admission in M.A. courses in the School of Studies of the University.

(2) A Candidate who has obtained Bachelor of Science (B.Sc.) Degree of this University or of statutory University recognized by this University as equivalent to the Bachelor's Degree shall be eligible to seek admission in M.Sc. Courses in the School of Studies in this University.

Provided that a candidate shall be eligible for admission only in those subjects which he/she has offered in B.Sc. Degree.

Further provided that

(i) For admission in M.Sc. Anthropology and Rural Technology there shall be no barrier of subject at B.Sc. level,-

(ii) For admission in M.Sc. Physics, a candidate must have offered mathematics at B.Sc. level,

(iii) For admission in M.Sc. Electronics a candidate must have offered Mathematics and Physics at B.Sc. level.

(iv) For admission in subjects Bioscience, Biochemistry, Biotechnology and Herbal Sciences Technology, a candidate must have offered subjects of Biological Science at B.Sc. level. If any difficulty arises in this connection, the matter shall be referred to a committee consisting of Dean of the faculty and Chairman Board of Studies and Head, S.O.S. of Subject concerned.

(v) For admission in M.A./M.Sc. Statistics, a candidate must have offered statistics or mathematics at B.A./B.Sc. level.

3. Every candidate thus admitted shall pursue regularly the prescribed courses in each of the four semesters successively. The Masters Degree shall be awarded to those candidates who have obtained at least 36% marks in cumulative aggregate in each of four semesters in theory and practical courses separately and a minimum of 20% qualifying marks in each theory course. The successful candidates shall be placed in divisions on the following basis :

An aggregate of 60% or above - I Division

An aggregate of 48% or above - II Division

An aggregate of 36% or above - III Division

4. Candidates failing to appear or securing less than 36% aggregate or obtaining less than 20% marks in any of the theory course of semester examinations shall be allowed to pursue the courses for the next following semester and to appear at the examination simultaneously in the course for that semester and any course of the previous semester, which he/she has not cleared. Failure in all the four papers, shall have to re-appear in the same papers. A.T.K.T. provision shall be in three papers of one semester & maximum three attempts only i.e. (1 main + 2 A.T.K.T.). Failure to secure 36% aggregate or to obtain qualifying marks of

20% in each course in two successive semester examinations, in addition to main examination, shall if so facta disqualify a candidate for admission to the next higher semester or for re-examination.

5. The examination and evaluation shall be on internal/external basis. The theory papers may be examined externally up to 50% maximum. Practical examination shall be conducted jointly by internal and external examiners.

6. The examination for the first and third semester shall ordinarily be completed by the end of December and the examinations for the Second and Fourth semesters shall ordinarily be completed by the end of May each year.

7. The examination shall be held in the following subjects being offered by different school of studies of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur :-

- | | |
|-----------------------------------|---|
| (i) Hindi | (ii) English |
| (iii) Linguistics | (iv) History |
| (v) Sociology | (vi) Economics |
| (vii) Geography | (viii) Psychology |
| (ix) Philosophy | (x) AIHC & Arch. |
| (xi) Mathematics | (xii) Physics |
| (xiii) Chemistry | (xiv) Zoology |
| (xv) Botany | (xvi) Geology |
| (xvii) Bioscience | (xviii) Statistics |
| (xix) Anthropology | (xx) Electronics |
| (xxi) Biochemistry | (xxii) Microbiology |
| (xxiii) Biotechnology | (xxiv) Forestry & Wildlife ✓ |
| (xxv) Herbal Science & Technology | (xxvi) Rural Technology ✓ |
| (xxvii) Environmental Science | (xxviii) Anthropology and Tribal ✓
Studies |

8. The examination shall be held in all the subjects being offered by different school of studies of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.
9. There shall be no provision for division improvement under the examinations of this ordinance.
10. This Ordinance shall be effective from the academic session 2006-07. However existing systems under Ordinance No. 13 M.A. and No.. 22 M. Sc. shall be continued for the subject of M.A./M.Sc.(Final) examination for session 2006-07.
11. The matters not covered in Acts Ordinance shall be governed by the Ordinance No. 5 and 6 and other provisions of the University rules.
12. Earlier Ordinance No. 79 related with Master degree examination in Arts/ Science for the University departments is herewith repealed

USE OF CALCULATORS :

The students of M.A./M.Sc. classes will be permitted to use calculators in the Examination hall on the following conditions :

- (a) Student will bring their personal Calculators.
- (b) Calculators with memory and following variables be permitted; Plus, minus, multiplication, division, square, reciprocal, exponential, log, square-root, trigonometric functions, viz, sine, cosine, tangent etc. However, under any circumstances programmable calculators shall not be permitted.